स्वतंत्रता संग्राम सेनानी विश्राम सिंह राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, चुनार, मीरजापुर

वार्षिकोत्सव एवं पुरस्कार –वितरण समारोह 2018–19 शुभ अवसर पर प्रस्तुत स्वागत–सम्बोधन एवं प्रगति आख्या

तपोभूमि भारत के अर्न्तगत जनपद मीरजापुर में गंगा के तट पर ऐतिहासिक नगरी चुनार में स्थित स्वतंत्रता संग्राम सेनानी विश्राम सिंह राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, चुनार मीरजापुर के वार्षिकोत्सव एवं पुरस्कार वितरण समारोह 2018–19 के शुभ अवसर पर सर्वप्रथम परमादरणीय मुख्य अतिथि डॉ राजीव मोहन पूर्व प्राचार्य राजकीय महाविद्यालय, चुनार, मीरजापुर का सहर्ष हार्दिक स्वागत एवं अभिनन्दन करती हूँ। आज के समारोहक में उपस्थित विशिष्ट जन, प्राध्यापकवृंद, शिक्षणेत्तरकर्मी , गणमान्य लोग, अभिभावकगण पत्रकार–बन्धु तथा छात्र–छात्राएं आप का भी यथायोग्य स्वागत करती हूँ और शुभकामनाए देती हूँ।

यह महाविद्यालय उच्च शिक्षण सेवा की एक अद्वितीय उपलब्धि है, जो सन् 1997 ई0 से सेवारत है और उच्च शिक्षा में कीर्तिमान स्थापित करता हुआ अग्रसर है। पठन–पाठन, शिक्षणेत्तर किया–कलाप और नकलविहिन परीक्षा के लिए इसका अपना एक खास स्थान है।

वर्तमान सत्र में महाविद्यालय के स्नातक स्तर पर कला संकाय के आठ विषयों तथा विज्ञान संकाय के पॉच विषयों में साथ ही साथ स्नातकोत्तर सतर पर कला संकाय के सात विषयों में तथा विज्ञान संकाय के पॉच विषयों में शिक्षण की व्यवस्था है। यहॉ अध्ययनरत छात्र छात्राओं की कुल संख्या 1712 ...है। यहॉ यह विशेष रूप से उल्लेखनीय है कि महाविद्यालय में सभी कक्षाओं में प्रवेश आन–लाइन किया जाता है।

यह अत्यंत हर्ष एवं गौरव की बात है कि महाविद्यालय को राष्ट्रीय मूल्याकन एंव प्रत्यायन परिषद बेंगलुरू के पत्र संख्या–NAAC/WW/Cert.A&A/EC(4th SC)/72/14 दिनांक 31.12.2014 द्वारा विहिन मूल्यांकन के पश्चात बी ग्रेड प्रदान किया गया है। निः संदेह यह महाविद्यालय के लिए सर्वोत्तम उपलब्धि है।

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली ने महाविद्यालय को 2–एफ एवं 12 बी0 की सूची में शामिल है, जिससे महाविद्यालय उक्त आयोग से आर्थिक अनुदान प्राप्त करने हेतु पूर्ण सक्षम हो गया।

महाविद्यालय ने जुलाई 2009 ई0 में अपना वेबसाइट विकसित कर लिया है, जिसमें महाविद्यालय की शैक्षिक गतिविधियों से समबन्धित सभी सूचनाएँ उपलब्ध है। यहॉ यह उल्लेखनीय है कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग नई दिल्ली के पत्रांक–एफ–1–11(33) 2007/ मर्ज्ड एन.आर.सी.बी. दिनांक–27.08.2010 के अनुसार इस महाविद्यालय को यू.जी.सी.नेटवर्क संसाधन केन्द्र संस्थानप की मान्यता प्राप्त हुई, और तद्नुरूप इसे नेटवर्क से जोड़ा जा चुका है।

महाविद्यालय में बी0एड0 की कक्षाओं के संचालन हेतु राष्ट्रीय अध्यापन शिक्षा परिषद जयपुर द्वारा दिनांक–10.02.2016 को निरीक्षण कार्य सम्पन्न हो गया तथा संबद्धता की कार्यवाही प्रकियाधीन है।

महाविद्यालय परिसर पूर्णतः वाई–फाई व्यवस्था से सुसज्जित है और कम्प्युटर आधारित कार्य प्रणाली की ओर अग्रसर है। आई.क्यू.ए.सी. सेल की भी स्थापना की जा चुकी है।

बारहवीं पंचवर्षीय योजना के अर्न्तगत राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान (रूसा) के तहत सरकार द्वारा उपलब्ध कराये गये विहित प्रपत्र मे निर्देशानुसार महाविद्यालय के सर्वांगीण विकास हेतु प्रस्ताव शासन को प्रेषित किया गया था। इससे महाविद्यालय के वाणिज्य सकांय भवन हेतु रू0– 75 लाख की स्वीकृत प्राप्त हुई हैं तथा कार्यदायी संस्था आवास विकास निगम द्वारा उक्त वाणिज्य संकाय भवन का निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है तथा उम्मीद है कि आगामी सत्र से वाणिज्य संकाय की कक्षाओं प्रारम्भ हो जायेगी। यहॉ विशेष रूप से उल्लेखनीय है कि रूसा के अर्न्तगत इस सत्र में महाविद्यालय में 20 कम्पयूटर का कम्पयूटर सेन्टर, लाईब्रेरी आटोमेशन एवं 02 स्मार्ट क्लास रसायन विज्ञान एवं भौतिकी विज्ञान व्याख्यान कक्ष का निर्माण/स्थापना प्रकियाधीन है एवं इस अवस्थापना सुविधाओं का लाभ आगामी सत्र से विद्यार्थीयों को मिलने लगेगा। इस सत्र में रूसा के अर्न्तगत लाइब्रेरी हेतु 325000 रूपये की पुस्तकों का कय किया गया तथा रसायन विज्ञान प्रयोगशाला में खराब गैस पाइप लाईन, उत्तरदिशा की टुटी हुई बाउड्री वाल एवं छात्र–छात्रा शौचालय के मरम्मत का कार्य करवाया गया।

महाविद्यालय में प्राचार्य के अतिरिक्त कुल 19 प्राध्यापक, 08 शिक्षेत्तरकर्मी सेवारत हे, जबकि बी.एड. संकाय में 07, भौतिक विज्ञान में 01, जन्तु विज्ञान में 01, अर्थशास्त्र में 01 तथा अंग्रेजी में 01 पद रिक्त है।

महाविद्यालय में अध्ययन अध्यापन के अतिरिक्त प्रतिभा को समृद्ध करने वाले शिक्षणेत्तर क्रिया–कलापों के अर्न्तगत क्रीड़ा समारोह, अर्न्तमहाविद्यालयी क्रीडा प्रतियोगिता में प्रतिभाग, रोवर्स–रेजर्स प्रशिक्षण, राष्ट्रीय सेवा योजना, परिषदीय प्रतियोगिताएँ वाद–विवाद प्रतियोगिता, निबध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। यहॉ यह विशेष रूप से उल्लेखनीय है कि वर्तमान सत्र में महाविद्यालय में स्वतंत्रता दिवस, गाधी जयन्ती गणतन्त्र दिवस तथा विभिन्न महापुरूषों/वीरांगनाओं के जयन्ती/शहीदी दिवस भी मनाया गया। यहॉ यह भी उल्लेखनीय है कि विश्वविद्यालय परीक्षा 2018 में जन्तु विज्ञान की छात्रा जैनब जहॉ ने प्रथम स्थान पर रहकर स्वर्ण पदक प्राप्त कर महाविद्यालय को गौरवान्वित किया है। इसी क्रम में जन्तु विज्ञान की छात्रा प्रियंका मौर्या ने आठवॉ स्थान, भौतिक विज्ञान की छात्रा क्रमशः सुमन मिश्रा ने तीसरा स्थान, अनिल चक्रवार ने दसवॉ स्थान, गणित विभाग की जागृति पाण्डेय ने पॉचवा, चॉदनी पाण्डेय ने नौवा तथा समाजशास्त्र की छात्रा ने आठवॉ स्थान प्राप्त कर महाविद्यालय को गौरवान्वित किया है।

महाविद्यालय के शोध छात्र श्री भरत सिंह को शोध निदेशक पूर्व प्राचार्य डॉ0 राजीव मोहन के निर्देशन में महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ वाराणसी द्वारा पी0एच–डी0 की उपाधि से सम्मानित किया गया। महाविद्यालय के इतिहास विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ0 रामनिहोर को 18 जून 2018 को मगध विश्वविद्यालय बोधगया बिहार द्वारा प्राचीन भारत में दूत कार्यो का ऐतिहासिक महत्व विषय पर पी0एच–डी0 की उपधि से सम्मानित किया गया।

महाविद्यालय में क्रीड़ा हेतु किकेट, वालीवाल, कैरम बोर्ड, शतरंज, बैडमिन्टन आदि की सुविधायें है जिनसे यहॉ के छात्र–छात्रा लाभान्वित होते रहे है। महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ वारासणी द्वारा आयोजित अंतर महाविद्यालय खेल प्रतियोगिता में बी0ए0 तृतीय वर्ष के छात्र देवेन्द्र कुमार यादव ने 110 मीटर बाधा दौड़ में स्वर्ण पदक तथा उॅची कूद में रजत पदक प्राप्त किया तथा उनका चयन आल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी के लिए हुआ। इशिका जायसवाल बी0ए0 तृतीय वर्ष की छात्रा का तैराकी प्रतियोगिता में आल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी के लिए हुआ। दिनांक–06 व 07 फरवरी 2019 को 20वॉ वार्षिक क्रीड़ा समारोह का आयोजन किया गया जिसका उद्घाटन महाविद्यालय के हिन्दी विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष–डॉ0 कपिलदेव पाण्डेय तथा समापन महाविद्यालय के प्राचार्य द्वारा किया गया। जिसमे कुल 21 प्रतियोगिताएं आयोजित की गयी।

महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना के अर्न्तगत दिनांक–08 से 14 फरवरी 2019 तक सात दिवसीय शिविर का आयोजन किया गया। जिसका उद्घाटन महाविद्यालय के प्राचार्य द्वारा तथा समापनडॉ0 आर0के0 सिंह राजकीय आयुर्वेद चिकित्सालय, चुनार के कर–कमलों द्वारा सम्पन्न हुआ। शिविर के दौरान शिविरार्थियों द्वारा श्रमदान,मतदाता जागरूकता रैली, विभिन्न सामाजिक मुदों पर सर्वे कार्य तथा रंगोली, मेहदी आदि प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। साथ ही साथ प्रतिदिन सान्ध्य कालीन संगोष्ठी में आमंत्रित अतिथिओं द्वारा विभिन्न विषयों पर चर्चा की गयी। समस्त कार्यक्रमों का संचालन कार्यक्रम अधिकारी डॉ0 माधवी शुक्ला एवं डॉ0 दीपनारायण द्वारा किया गया।

इसी प्रकार महाविद्यालय में रोवर्स–रेंजर्स के पॉच दिवसीय शिविर का भी आयोजन किया गया जिसका उद्घाटन नगरपालिका चुनार के अध्यक्ष श्री मंसूर अहमद एवं समापन महाविद्यालय के प्राचार्य द्वारा समपन्न हुआ। इसमें वैचारिक गोष्ठी, रंगोली, मतदाता जागरूकता अभियान तथा रोवर्स–रेंजर्स से सम्बन्धित कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

महाविद्यालय में कामकाजी महिलाओं के लैंगिक उत्पीड़न निवारण हेतु एक समिति का सृजन हुआ एवं राष्ट्रीय महिला आयोग के निर्देश पर महिला प्रकोष्ठ द्वारा महिला जागरूकता क्विज प्रतियोगिता आयोजित की गई जिसमें स्थान प्राप्त छात्र–छात्राओं को धनराशि क्रमशः 2000, 1500 तथा 1000 देकर प्राचार्य द्वारा पुरस्कृत भी किया गया। इसी क्रम में उत्तर–प्रदेश वीमेन पावर एन्जिल समिति 1090 के अर्न्तगत विविध कार्यक्रमों यथा कजरहट पुलिस चौकी के सहयोग से छात्राओं के लिए 108 व 1090 लाईन के विषय में जानकारी, डॉ0 राजू माझी, डॉ0रजनीश पटेल, डॉ0 अंजली अग्रवाल विधि संकाय काशी हिन्दू विश्वविद्यालय वाराणसी द्वारा महिलाओं को संविधान द्वारा प्रदान कानूनी अधिकारों एवं महिलाओं हेतु सरकार द्वारा संचालित विविध योजनाओं पर विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया।

प्रसार व्याख्यान के अर्न्तगत हिन्दी विभाग द्वारा निबन्ध प्रतियोगिता हिन्दी पखवाड़ा तथा 14 सितम्बर 2018 को हिन्दी की वर्तमान स्थिति पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

सांस्कृति परिषद तथा समारोहक के संयुक्त संयोजन में वर्ष पर्यन्त विविध कार्यक्रमों यथा गांधी जंयती, स्वच्छता पखवाड़ा, पोस्टर प्रतियोगिता, निबन्ध प्रतियोगिता, वाद–विवाद प्रतियोगिता, विभिन्न महापुरूषों के जयन्ती एवं शहिदी दिवस तथा परिषदीय प्रतियोगिताओं का सफल आयोजन किया गया।

महाविद्यालय के रसायन विज्ञान विभाग के पुर्व छात्र श्री राजपाल पुत्र श्री छेदी लाल ने सी0एस0आई0आर0 / यू0जी0सी0 नेट 2018 की परीक्षा उर्त्तीण कर महाविद्यालय को गौरवान्वित किया।

महाविद्यालय के कुल 06 प्राध्यापक / प्राध्यापिकों ने अभिविन्यास / पुनश्चर्या कार्यक्रम में प्रतिभाग किया।

यहॉ यह विशेष रूप से उल्लेखनीय है कि महाविद्यालय के संस्कृत विभाग तथा उत्तर–प्रदेश संस्कृत संस्थान लखनऊ के संयुक्त तत्वावधान में डॉ0 प्रभात कुमार सिंह के नेतृत्व में दिनांक–16 एवं 17 फरवरी 2019 को वर्तमान परिप्रेक्ष्य में संस्कृत वांड्मय की प्रासंगिकता विषय पर दो द्विवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमे सम्पूर्ण भारत से पधारे विद्धानों यथा प्रो0 यदुनाथ दूबे–पूर्व कुलपति–सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय वाराणसी, प्रो0 उमाकान्त यादव– इलाहाबाद वि0वि0 इलाहाबाद, प्रो0 रामसुमेर यादव– लखनऊ वि0वि0 लखनऊ, डॉ0 अनिल प्रताप गिरि–पाण्डिचेरी वि0वि0 पाण्डिचेरी, डॉ0 संजय कुमार–डॉ0 हरी सिंह गौर वि0वि0 सागर मध्य प्रदेश, डॉ0 शरदिन्दु त्रिपाठी–बी0एच0यू0 वाराणसी, डॉ0 सूर्यकान्त त्रिपाठी–गोरखपुर वि0वि0 गोरखपुर ने विविध विषयों पर व्याख्यान प्रस्तुत किया । कार्यक्रम का समापन डॉ0 विनीता यादव–रजिस्ट्रार– इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय प्रयागराज तथा शिक्षक श्री एवं सरस्वती सम्मान से सम्मानित डॉ0 सतेन्द्र सिंह– प्राचार्य–राजकीय स्नाकोत्तर महाविद्यालय हमीपुर के व्याख्यान से सम्पन्न हुआ। सेमिनार आयोजन की प्रेरणा स्रोत महाविद्यालय के प्राचार्य ने सम्पूर्ण कार्यक्रमों का नेतृत्व किया।

सत्रपर्यंत मेरा प्रयत्न रहा है कि यह महाविद्यालय सर्वांगीण विकास करे और उन्नत से उन्नत स्थान प्राप्त कर उच्च शिक्षा विभाग का नाम रोशन करें। पुनः एक बार आज के मुख्य अतिथि महोदय एंव सभी का हार्दिक स्वागत एवं अभिनन्दन करता हूँ।

जय हिन्द!

(डॉ0 सूबेदार यादव)
संयोजक, आख्या समिति

(डॉ0 मंजू शर्मा)
प्राचार्य